कारण किसी को कष्ट हुआ। इसलिए जहां तक कक्ष का सवाल हैं, कमरे का सवाल हैं और जो मुझे दिया गया हैं, वह मनमोहन सिंह जी को पहले दिया गया था, तो मैं निवेदन करूंगा संसदीय कार्य मंत्री से कि उनको वह कमरा वापस देना चाहिए। मुझे कोई कमरा दे दें, मुझे आपत्ति नहीं हैं। जहां तक मेरा सवाल हैं, मेरे कारण कोई विवाद नहीं होना चाहिए, मेरा इतना ही अनुरोध हैं।

MR. CHAIRMAN: I have heard both the sides. I think some solution will come out when we meet the day after tomorrow. So, no more discussion on this.

RE. COMPOSITION OF CENTRAL TEAM VISITING TORNADO-AFFECTED AREAS OF WEST BENGAL AND ORISSA

DR. BIPLAB DASGUPTA (West Bengal): There is another issue, Sir. I want to raise it. You mentioned in the morning about the tornado in West Bengal and Orissa. I understand it has been reported in the other Hosue that a delegation is going there. In that delegation somebody who is an MP has been given the chance to go in this delegation from the Central Government. Is it true or not that Ms. Mamata Bannerji has been asked to represent West Bengal in that delegation? Is it right or not? I would like to know the basis on which Ms. Mamata Bannerji is being sent to West Bengal. So, I would like to know from the Prime Minister whether it is true or not. somebody is going from here. I understand Ms. Mamata Bannerji is also there. No CPI (M) MP is there. No Left Front MP is there. What kind of partisan behaviour are you indulging in *(Interruptions)* Is it consensus politics? *(Interruptions)*

SHRI S. S. AHLUWALIA (Bihar): Sir, they are playing politics. Why should not representatives of all the political parties be sent there to investigate into the whole thine? ....*(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: I think you should speak one by one. Why should ten Members speak at the same time? Why should all of you stand up at the same time? *(Interruptions)*

SHRI S. S. AHLUWALIA: But...

MR, CHAIRMAN: I have heard your point. Let the Prime Minister speak.

SHRI S. S. AHLUWALIA: They have already said, Sir.

MR. CHAIRMAN: But let me hear him first.

SHRI S. S. AHLUWALIA: Is it the prerogative only of the ruling party?

MR. CHAIRMAN: Let me hear the Prime Minister now. *(Interruptions)*

श्री एस0 एस0 अहलुवालिया : अरे हमने जो अटल जी को भेजा था युनाइटेड नेशन्स। ... (**व्यवधान**)

प्रधान मंत्री (**श्री अटल बिहार वाजपेयी**) : सभापति महोदय, मिदनापुर में और बालासोर के समुद्र से जुड़े हुए क्षेत्र में जो तूफान आया था उसकी खबर आज सवेरे जब मैंने समाचार पत्रों में देखी तो मैंने तत्काल यह फैसला किया कि कृषि मंत्री कुछ अधिकारियों के साथ वहां जाएं। मरने वालों की संख्या बहुत बड़ी हैं, उसमें दुर्भाग्य से बच्चे भी शामिल हैं। स्थायी सम्पत्ति को भी बहुत नुकसान हुआ हैं। लेकिन मुझे लगा कि अगर मैं मिदनापुर और बालासोर के संसद सदस्यों को उनके साथ भेज सकूं तो शायद यह अच्छा होगा। इसलिए सबसे पहले मैंने कम्यूनिस्ट पार्टी के नेता श्री इंद्रजीत गुप्त जी से संपर्क स्थापित किया। उन्हें आज जाने में कुछ कठिनाइयां थीं। उन्होंने कहा कि वह मेरा क्षेत्र हैं और वह उस क्षेत्र के लोगों से संपर्क में हैं लेकिन वह आज नहीं जा सकेंगे। वह अपनी सुविधा के अनुसार शायद कल वहां पहुंचना चाहेंगे। जब यह चर्चा चल रही थी तब बालासोर के पार्लियामेंट के मैंम्बर, लोक सभा के मैम्बर मिस्टर स्वैन वहां आ गये और कुमारी ममता बैनर्जी भी आ गयीं। उन्होंने कहा कि... हम भी कृषि मंत्री महोदय के साथ जाना चाहते हैं। मैं यह समझता हूं था कि उस सारे क्षेत्र का प्रतिनिधित्व केवल श्री इंद्रजीत गुप्त करते हैं। अगर मुझे पता होता कि और भी संसद के सदस्य इस क्षेत्र के साथ जुड़े हुए हैं तो मैं उन्हें पार्टी के बिना भेदभाव के भेजता। अगर श्री इंद्रजीत गुप्त को मैंने सम्पर्क किया तो यह विचार तो मैंने नहीं किया कि वह दूसरी पार्टी के हैं। प्राकृतिक आपत्ति में भी अगर पार्टी के विचार को हम आने देंगे तो हम इस देश के साथ न्याय नहीं करेंगे, जनता के साथ न्याय नहीं करेंगे।

SHRI JIBON ROY (West Bengal):

How Ms. Mamata Banerjee came into the picture? ...*(Interruptions)*...

DR. BIPLAB DASGUPTA: Sir, Ms. Mamata Banerjee represents Calcutta South which is a long way from Midnapore where this tornado has taken place. There are four other MPs from Midnapore. ...*(interruptions)*... Just a minute. Smt. Geeta Mukherjee is there; you could have asked her. Why is not Smt. Geeta Mukherjee there? What prevented you from asking Smt. Geeta Mukherjee? What prevented you from asking some other MPs from Midnapore? why did Ms. Mamata Banerjee come all the way from Calcutta? Is it not partisan politics? Are you not playing partisan politics?

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : (उत्तर प्रदेश): इसमें आपत्ति करने की क्या बात हैं?... (**व्यवधान**)...यह कोई बात हुई? ... (**व्यवधान**)...

श्री नरेन्द्र मोहन (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, यह क्या कर रहे हैं? प्रधान मंत्री जी खड़े हुए हैं और ... (**व्यवधान**) ... महोदय, यह प्राकृतिक आपदा का मामला हैं। अगर इसमें इस तरह से दलगत आधार पर विभाजन किया जाएगा तो कैसे होगा? यह राजनीति ला रहे हैं। ... (**व्यवधान**)...

DR. BIPLAB DASGUPTA : Sir, you asked for consensus politics. How can we have consensus politics if you play party politics? On what basis was Ms. Mamata Banerjee sent there?

श्री नरेन्द्र मोहन : सभापति जी, प्राकृतिक आपदा के मामले में राजनीति लाना उचित नहीं हैं।... (**व्यवधान**)...

श्री ओंकार सिंहलखावत (राजस्थान): सर, इनको प्राकृतिक आपदा से कोई मतलब नहीं हैं।... (**व्यवधान**)...

DR. BIPLAB DASGUPTA: Sir, let the Prime Minister reply. ...*{Interruptions)*... We don't want to hear him. He is not the Minister. ... *{Interruptions)*...

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : इजंद्रजीत गुप्त जी को कहा, इसमें कोई अपराध नहीं हैं। (**व्यवधान**)

DR. BIPLAB DASGUPTA: Sir, we want to hear it from the Prime Minister. ...*{Interruptions)*...

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : यह कोई बात नहीं हो सकती हैं। ... (**व्यवधान**)...

SHRI NILOTPAL BASU (West Bengal): Sir, it is an unfortunate thing that the Prime Minister. ... *{Interruptions)*...

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल): केन्द्र सरकार की ओर से वहां भेजा गया, यह अच्छी बात हैं। अगर प्राकृतिक आपदा होती हैं तो वहां सरकार तुरन्त कार्यवाही करें, यह अच्छी बात हैं। लेंकिन दिल्ली में जो लोग बैठे हुए हैं मैं प्रधान मंत्री को दोष नहीं देता, मैं सरकार की बात कर रहा हूं, मैं अफसरों की बात कर रहा हूं,उन्हें यह मालूम होना चाहिए कि अगर ... (**व्यवधान**)...

†شری محمد سلیم: کیندر سرکار کی
سے وہاں بھیجا گیا یہ اچھی بات
ہے اگر پراکرتک آپدا ہوتی ہے تو وہاں
سرکار تورنت کارروائی کرے یہ اچھی
بات ہے لیکن دہلی میں جو لوگ
بیٹھے ہوئے ہیں میں پردھان منتری
کو دوش نہیں دیتا میں سرکار کی بات
کر رہا ہوں میں افسروں کی بات کر رہا
ہوں انہیں یہ معلوم ہونا چاہئے کہ اگر
..."مداخلت"...

श्री एस0एस0 अहलुवालिया : सभापति जी, मैं ... (**व्यवधान**)...

श्री मोहम्मद सलीम : सभापति जी, दो-चार लोगों ... (**व्यवधान**)...

†شری محمد سلیم: سبھا پتی جی دو
چار لوگوں ..."مداخلت"...

श्री संजय निरूपम (महाराष्ट्र) आप पहले बैठिए। प्रधान मंत्री जी अपना पक्ष रखना चाहते हैं। आप पहले उन्हें अपना पक्ष रखने दीजिए। ... (**व्यवधान**)...

श्री मोहम्मद सलीम : मिदनापुर क्षेत्र में लोक सभा के पांच निर्वाचन क्षेत्र हैं और पूरे देश के अन्दर यही

---

†[] Transliteration in Arabic script

एक ऐसा जिला हैं जिसमें पांच लोक सभा के निर्वाचन क्षेत्र आते हैं। मिदनापुर के नाम से जो क्षेत्र हैं वहां से इन्द्रजीत गुप्त जी सांसद हैं, लेकिन जो कोस्टल बेल्ट हैं जिसे कांथी क्षेत्र कहते हैं, प्रधान मंत्री जी के दफ्तर में और एग्रीकल्चर िडपार्टमेंट में जो लोग हैं उन्हें मालूम होना चाहिए कि वह एक टोरनेडोग्रोन क्षेत्र हैं और वह इलाका उड़ीसा के साथ में जुड़ा हुआ हैं। उस क्षेत्र से लोक सभा में श्री सुधीर गिरि जी सांसद हैं, मैं उनका नाम यहां पर जानकारी के लिए ले रहा हूं और उसी जिले के अन्य जो तीन सांसद हैं, उनको उनसे भी सम्पर्क स्थापित करना चाहिए था। उसके बाद जो भी निणर्पय वह लेते हैं उसका हम समर्थन करेंगे। उनको राज्य सरकार से भी सम्पर्क करना चाहिए। जो कन्सेनसस पॉलिटिक्स की बात की जा रही हैं उसके लिए आपको कुछ निर्णय लेने पड़ेगे जिससे कि इस प्रकार के और सवाल पैदा न हों और किसी प्रकार का प्रश्न-चिन्ह न लगे।... (**व्यवधान**)...

†شری محمد سلیم: مدناپور تریچه نرواچن پانچ کے ہاسب لوک میں کے شید رپورے او ہیں چھیتر میں جس ہے ضلح ایسا ایک یاندریہ چھیتر نرواچن کے سبھا لوک پانچ جو سے نام کے پور مدنا ہیں آتے گپتا تیج انور سے وہاں ہے چھیتر کوسٹل جو لیکن ہیں سانسد یج چھیتر یکانته جسے ہے بیلٹ کے یج یمنتر پردھان ہیں کہتے ایگریکلچرل اور میں دفتر ہیانہ ہیں لوگ جو میں ڈپارٹمنٹ ڈویٹورن این وہ کہ چاہئے ہونا معلوم اڑیسہ علاقہ وہ اور ہے چھیتر پرون چھیتر اس ہے ہوا جڑا ہیم ساته کے ریسدھ یشر ہیم سبھا لوک سے نام انکا میں‌ہیں سانسد یج یگر رہا لے کیلئے یجانکار پر ہاںی جو دوسرے کے ضلح یاس اور ہوں یبہ سے ان انکو ہیں سانسد نیت استھاپت سمپرک نرنے یبہ جو بعد اسکے تھا چاہئے کرنا سمرتھن ہم کا اس ہیہ تےیل وہ یبہ سے سرکار راجیہ انکونگےیکر کنسینسس جو چاہئے کرنا سمپرک اسکے ہے یرہ جا یک بات یک ٹکسیپال لینے نرنے ایسے کچھ آپکو لئے اور کے ارپرک اس کہ سے جس نگےیپڑ پرشن کا پرکار یکس اور ہوں نہ دایپ سوال چنہہ نہ لگے..."مداخلت"...

श्री नरेन्द्र मोहन : सभापति महोदय, यह बात राजनीति दुर्भावना से प्रेरित हैं। प्रधान मंत्री जी ने स्पष्ट रूप से कहा हैं कि उन्होंने अपनी ओर से स्वयं विपक्ष के वरिष्ठतम नेता से सम्पर्क किया।... (**व्यवधान**)... उसके बाद यह आरोप लगाना कि प्रधान मंत्री कार्यालय द्वारा या प्रधान मंत्री द्वारा राजनीति भेद-भाव किया गया हैं, अपने आप में सरासर गलत बात हैं। इस प्रकार की बात ... (**व्यवधान**)... जो कुछ प्रधान मंत्री जी ने किया हैं वह समय के अनुकूल थी, वातावरण के अनुकूल थी, आवश्यकता के अनुकूल थी। ... (**व्यवधान**) ...

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : यह आपका व्यवहार दिख रहा हैं ... (**व्यवधान**) ...

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (**श्री राम नाईक**): सभापति जी, आप व्यवस्था दीजिए कि प्राकृतिक आपदा का मुद्दा राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित न हो ... (**व्यवधान**) ... उस कांस्टीट्अंसी का नाम मिदनापुर हैं। जब प्रधान मंत्री जी ने उनको प्राकृतिक आपदा के बारे में बताया तो कम से कम गुप्त जी को यह कहना था कि हमारे क्षेत्र में और भी लोक सभा के सांसद हैं। गुप्त जी को यह बताना चाहिए था कि वहां से मैं अकेला सांसद नहीं हूं और भी सांसद उस क्षेत्र से हैं। ऐसे मामलों में राजनीति लाना उचित नहीं हैं। ... (**व्यवधान**) ...

SHRI SOMAPPA R. BOMMAI (Orissa): Sir, firstly I congratulate ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN : let Mr. Bommai say something.

SHRI SOMAPPA R. BOMMAI: At the outset, I congratulate the Prime Minister for prompt action with regard to the calamity. At same time, I do

†[] Transliteration in Arabic Script.

appreciate the point of the Opposition Members that if the delegation was to go, it should comprise members from the ruling party, alliance parties and from the Opposition particularly from that area. The State Government also should be intimated. That might have been done. I only appeal, I want to know from the Prime Minister whether he is willing to send a delegation consisting of MPs from that area and also member from other areas immediately. ...*(Interruptions)*...

SHRI E. BALANANDAN (Kerala): Sir, this is a serious issue. ... *(Interruptions)*...

श्री एस0एस0 अहलुवालिया : महोदय, प्रधान मंत्री जी ... (**व्यवधान**)

MR. CHAIRMAN: Mr. Ahluwalia, you have already spoken three times. *(Interruptions)* Let him speak now ... *(Interruptions)*...

श्री एस0 एस0 अहलुवालिया : प्रधान मंत्री जी ने जो बात कही हैं, उस पर मैं कहना चाहता हूं... (**व्यवधान**) ...

श्री सभापति : देखिए, आपने उनको ... (**व्यवधान**)

You have already spoken for four times... *(Interruptions)*...

श्री एस0 एस0 अहलुवालिया : प्रधान मंत्री जी ने अभी अपने अल्फ़ाज में कहा है कि मुझे अखबारों से पता लगा हैं। महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि यह घटना कब घटी और यह प्रधान मंत्री कार्यालय की... (**व्यवधान**)

श्री ओ0 पी0 कोहली (दिल्ली): आप बैठिए ... (**व्यवधान**)

श्री एस0 एस0 अहलुवालिया : आप बोलते रहिये... (**व्यवधान**) ...

श्रीमती मालती शर्मा (उत्तर प्रदेश): महोदय ... (**व्यवधान**) ...

श्री एस0 एस0 अहलुवालिया : बोलते रहिये, हम भी खड़े हैं, आप भी खड़े रहिये।... (**व्यवधान**) ...

श्री नरेन्द्र मोहन : आप खड़े हैं, खड़े रहें, हम भी एम0 पी हैं।... (**व्यवधान**) ...

श्री एस0 एस0 अहलुवालिया : सभापति जी, मेरा सीधा सवाल प्रधान मंत्री जी से हैं।... (**व्यवधान**)

MR. CHAIRMAN: Mr. Ahluwalia, you have spoken four or five times. ..*(Interruptions)*.. Now he wants to speak. ...*(Interruptions)* Anyway, you may have a valid point. ...*(Interruptions)*... The other Members have an equal right. ...*(Interruptions)*...

SHRI S.S. AHLUWALIA: He has already submitted.

MR. CHAIRMAN: He has not submitted so far. He is speaking for the first time. ...*(Interruptions)*... You have already spoken and the Prime Minister has noted it. ...*(Interruptions)*...

SHRI S.S. AHLUWALIA: We want to know his reaction ...*(Interruptions)*... The Prime Minister has given a very wrong statement. ...*(Interruptions)*... I want to draw his *attenxion...(Interruptions)*... The entire country knows... *(Interruptions)*... The whole world knows ... *(Interruptions)*...

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI (Uttar Pradesh): We always speak with respect to his people. ... *(Interruptions)*...

SHRI E. BALANANDAN: Sir, when some national calamity comes... *(Interruptions)*...

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, ... *(Interruptions* ... Sir*, ... *(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: Whatever Mr. Ahluwalia is speaking will not go on record. ...*(Interruptions)*...

SHRI S.S. AHLUWALIA: *

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*...

SHRI E. BALANANDAN: The first Hep taken by the Government...*(Interruptions)*... The first step taken by the Government itself exposes the politics of consensus which has been talked about. ...*(Interruptions)*... The question is that a natural calamity has occurred in West Bengal and Orissa. The Members from

*Not recorded.

those areas are here. The majority of the Members from West Bengal are in the Opposition. Only three Members are not with them. The other Members in the House have not been taken into consideration by the Prime Minister. The Prime Minister is sending a delegation. He ought to have consulted the Opposition. The leaders are here in the House. Why did he not consult them? He has done something to make a political point. He wants to make it a political issue. He wants to make a political capital out of it. It cannot be tolerated by the Opposition which is here in the House. This is absolutely wrong because whatever you talk of and whatever you do is seen in the first step that you have taken in this regard. Therefore, this is a wrong step. I did not expect so much from Mr. Vajpayee immediately. But, it was all wrong. It is a signal for the Opposition and the Indian nation that this Government is not going to respect the State Governments and the State parties. They were talking of so many other things. ...*(Interruptions)*... It was an accident.

3.00 P.M.

That is not the way to work ...*(Interruptions)*... Mere shouting will not solve the problem...*(Interruptions)*...We can also shout ...*(Interruptions)...The* question is, the Government has taken a step ignoring the Opposition which is there and the Members of Parliament who are there from that locality. If they wanted to do something immediately, okay. But, for that, what do they do? Some of the people who were with them have been chosen by the hon. Prime Minister who wanted politics of consensus and discussion with us. What was he talking about? Therefore, he has taken a wrong step on day one itself. Mr. Vajpayee should think over it because this is a wrong thing which we cannot tolerate and we strongly protest against it.

PROF. RAJA RAMANNA (Nominated): Sir, people are suffering at Midnapore and I am somewhat surprised that a party discussion is taking place as to who should be sent and who should not be sent. The main thing is, to give them the assistance straightway. I think, if the hon. Prime Minister feels that some people have been sent for a specific purpose, others also can go. I mean, that does not cost much if they feel so strong about it, but to stop the work of the House is a bad thing.

SHRI E. BALANANDAN: Sir, I would like to make a small point.

MR. CHIRMAN: No. You have already spoken.

SHRI PRANAB MUKHERJEE (West Bengal): Sir, in the morning itself this House passed a resolution expressing its solidarity for the affected people in the district of Midnapore and in the coastal districts of Orissa. Unfortunately, a controversy has arisen. Not only in this kind of situations but in other cases also, the Government sends its team-—official team—either headed by a Minister or by some officer just to study the situation on the spot and thereafter to take the necessary relief and other measures in consultation with the State Government. That is the normal practice and we do appreciate that the hon. Prime Minister took a prompt step and sent a delegation. But the limited point which I would like to know from him, if I heard him correctly, is, he said that he came to know about this incident through newspapers. Is the hon. Prime Minister to depend for his information only on newspapers or, as it happened, on the BBC and other television channels which have broadcast this news? Has he no other source of information? Did not the official channel keep him informed about the incident? If it happens like that, if it happens that the hon. Prime Minister comes to know of such incidents only through newspaper reports and not from his own source.

then it is a serious matter. He must pull up his secretariat and other organisations who should keep him informed. What action will be taken by him, is for him.

Secondly, in this type of things, I think, he can draw some conclusions from the observations of the hon. Members. While selecting the political personnel, he should be careful. I know this constituency, particularly, the place where this tornado took place. This comes within the parliamentary constituency of Mr. Indrajit Gupta. Therefore, it is correct that he contacted him. But, there are four other hon. Members representing that district for example, as Mr. Salim referred to, Mr. Sudip Giri whose constituency has also been affected. He could have contacted him. Perhaps, he may not be knowing it. But, while selecting the personnel to be sent along with the official delegation, I most respectfully submit, he must apply his mind and keep in view the likely repercussions. Thank you.

श्री नरेश यादव (बिहार): महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन और प्रधानमंत्री जी का ध्यान जो प्राकृतिक विपदा बालासौर मिनापुर में आई हैं, उसके प्रति अपना दुख प्रकट करते हुए, आकृष्ट करना चाहता हूं। महोदय, इस में जो तरीका सरकार के द्वारा अपनाया गया, हो सकता हैं कि अति-उत्साह में या हड़बड़ी में भूल हो सकती हैं, लेकिन मैं इस बात का स्वागत करता हूं कि वहां कमेटी भेजी गई। साथ-साथ चूंकि मैं किसान परिवार से आता हूं और मैंने अपनी आंखों से देखा हैं प्रधान मंत्री महोदय, कि बिहार में भी इसका असर हुआ हैं। पूरा गेहूं बर्बाद हो गया। उड़द बर्बाद हो गया। दलहन की फसल बर्बाद हो गई। मैं आग्रह करना चाहमता हूं कि निश्चित तौर से उड़ीसा और बंगाल में टीम भेजी जाए और साथ ही साथ बिहार में भी, पर्वोत्तर बिहार से मैं आता हूं, वहां भी टीम भेजनी चाहिए, जो देखें कि किसानों की हालत आज क्या हैं। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

प्रो0 विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली) : सभापति महोदय, अत्यंत दुखदायी घटना मिदानपुर के क्षेत्र में हुई और उसके लिए आज प्रातः इस सदन ने सर्वसम्मति से एक शोक प्रस्ताव भी, जो वहां जो वहां मृत्यु को प्राप्त हुए हैं, उनके लिए पास किया हैं। हमें आशा तो यह थी कि प्रधान मंत्री जी ने इतनी तेजी से और ईतनी जल्दी जो कदम उठाया उसकी सब तरफ से प्रशंसा होती, लेकिन उसकी बजाय कुछ मुद्दे खड़े किए गए। सब से पहले उन्होंने इन्द्रजीत गुप्त जी को संपर्क किया। अभी यह कहा जा रहा हैं कि आपोज़ीशन से संपर्क करना चाहिए। तो क्या इन्द्रजीत गुप्त जी अब रूलिंग पार्टी में आ गए? क्या अब वह आपोज़ीशन में नहीं? अगर वह आपोजीशन में हैं और उनसे सब से पहले संपर्क किया तो उनको चाहिए था कि वह कहते हैं कि मैं नहीं जा सकता, पर मेरे क्षेत्र में पांच और एम0पीज़ भी हैं उनमें से किसी को भेज दीजिए। फिर न भेजा जाता तब तो कोई आपत्ति की बात हो सकती थी। परन्तु मैं प्रधान मंत्री जी से जानना चाहता हूं, आपने कहा है प्रणब जी ने कि उनको केवल अखबार से क्यों पता लगा, तो क्या स्टेट गवर्नमेंट मे उसके ऊपर कार्यवाही की, उनको इन्फार्म किया कि वहां ये-ये घटनाएं हुई हैं? क्या स्टेट गवर्नमेंट ने जो प्रधान मंत्री जी से सहायता के लिए कोई अपील की और उन्होंने उसके बारे में कोई कदम उस समय नहीं उठाया? ऐसी क्या स्टेट गवर्नमेंट कीयह जिममेदारी उन हालात में नहीं बनती हैं और स्टेट गवर्नमेंट ने क्या कदम उठाए, उनको संपर्क किया हैं या नहीं किया? मैं तो केवल इतना कहना चाहता हूं कि इस प्राकृतिक आपदा पर दैवी विपत्ति पर सारा सदन एकमत है और इस तरह के प्रश्न उठा करके इसके ऊपर कोई विवाद खड़ा करना नहीं चाहिए।

श्री जलालुदीन अंसारी (बिहार): सभापति महोदय, मैं प्रधान मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जब उन्हें सुबह अखबार के जरिए खबर मिली तो क्या उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुख्य मंत्री से बात की कि वहां की स्थिति क्या है और बर्बादी की स्थिति क्या हैं और उन्होंने भी कुछ इनको कोई सुझाव दिया या नहीं दिया? जहां तक है कि श्री इन्द्रजीत गुप्त को इन्होंने कहा और किस परिस्थिति में उन्होंने जाने से असमर्थता जाहिर की, यह मैं नहीं जानता, लेकिन मैं कहना चाहूंगा कि खास करके जब प्राकृति विपदा आती हैं तो ऐसी स्थिति में राजनीति से ऊपर उठ करके उस क्षेत्र की जनता को तत्काल राहत मिले, उनको इस विपत्ति से बताया जाए और जो बर्बादी हुई हैं उसकी भरपाई की जाए और उन लोगों को सहायता मिले। आज तक होता रहा हैं, बहुत सारी घटनाएं इस देश में घटी हैं, सभापति महोदय जी, तो उस समय उस क्षेत्र की सभी जो पोलिटिकल पार्टीज होती हैं उनका आल पार्टीज़ डेलीगेशन भेजा जाता हैं। मैं चाहूंगा कि यह पिक एंड चूज़ के आधार पर नहीं बल्कि वहां की स्थिति में और

सब लोगों का जन-सहयशेग भी प्राप्त करना होगा। सरकारी सहयोग के अलावा जनता का सहयोग भी मिले, इसलिए मेरा एक सुक्षाव भी होगा कि दोनों हाउसेज़ का आल पार्टीज़ डेलीगेशन भी वहां भेजा जाना चाहिए।

:"بہار" ی‌انصار ن‌ی‌الد جلال ی‌شر†
ی‌منتر پردھان میں ۔مہودے ی‌پت سبھا
ن‌ی‌انہ جب کہ چاہونگا جاننا سے ی‌ج
تو ی‌مل خبر ذریعہ کے اخبار صبع
کھیہم کے بنگال پشچم نے انھوں کیا
ی‌ک وہاں کہ ی‌ک بات سے ی‌منتر
ی‌ک ی‌برباد اور ۔اہےی‌ک ی‌استته
ی‌به نے انھوں اور ہے ای‌ک ی‌استته
نہیں ای ای‌د سجھاؤ ی‌کوئ انکو کچھ
گپتا اندرجیت ی‌شر ہےکہ تک جہاں‌دیا
ی‌ستته پر کس اور کہا نے انھوں کو
ظاہر اسموتھا سے جانے نے انھوں میں
یہ میں لیکن ۔جانتا ن‌ی‌نہ ن‌ی‌م یہ ی‌ک
جب کرکے خاص کہ چاہونگا کہنا
ی‌ایس تو ہے ی‌آت وپدا پراکرتک
اٹھ اوپر سے ی‌راجنیت میں ی‌استته
تتکال کو جنتا ی‌ک چیتر اس کے کر
ای‌بچا سے ی‌وپت اس انکو ملے راحت
ی‌اسک ہے ی‌ہوئ ی‌باد بر جو اور جائے
کو لوگوں ان اور جائے ی‌ک ی‌پائ بھر
بہت ہے رہا تا ہو تک آج ۔ملے سہائتا
ی‌گھٹ میں ش‌ی‌د اس گھٹنائیں ی‌ارس
سمے اس تو ی‌ج مہودے ی‌سبھاپت ۔ہیں
کل‌ی‌ٹی‌پال جو ی‌سبه ی‌ک تری‌چه اس
پارٹیز آل انکا ۔ن‌ی‌ه زی‌پارٹ
میں ہے جاتا جای‌به گیشن‌ی‌ڈیل
کے چوز اینڈ پک یہ کہ چاہونگا

ی‌استته ی‌ک وہاں بلکہ نہیں پر آدھار
ی‌به سہیوگ جن کا لوگوں سب اور میں
ک سہیوگ ی‌سرکار ۔ہوگا کرنا پراپت
لئے اس ملے ی‌به وگ‌ی‌سہ کا جنتا علاوہ
دونوں کہ ہوگا ی‌به سجھاؤ ایک رای‌م
ی‌به لیگیشن‌ی‌ڈ زی‌پارٹ آل کا هاؤسیز
۔چاہئے جانا بھیجا وہاں

श्री सभापति : देखिए, इस हाउस ने सब से पहले सुबह ओबीच्युरी के साथ-साथ शोक प्रस्ताव भी पास किया था। प्रधान मंत्री जी ने कुछ एक्शन लिया। कुछ लोगों ने और अपनी-अपनी बातें कह दीं। प्रधान मंत्री जी ने उसके बारे में अपनी बात कही आपके जो सुझाव हैं, मेरा ख्याल हैं प्रधान मंत्री जी ने वे सुन ही लिए होंगे और वह वैसे ही आगें कर रहें हैं।। मेरे ख्याल में हमने उनको जो बोलने का समय नहीं दिया, अपनी बात उनको कहने नहीं दी, यह हमने उनके साथ अन्याय किया हैं। इसलिए मैं चाहता यह हूं, जो आपके प्वायंट्स उन्होंने समझ लिए हैं और लोग भी, आप लीडर ऑफ द आपोजिशन हैं, उनके साथ जा कर मिल लेंगे। जो कोई बात वह कहें आपस में बात कर लें। आपकी सब बात सुन ली हैं... (**व्यवधान**)

एस0 एस0 अहलुवालिया : मिलने की बात नहीं। ... (**व्यवधान**)

श्री सभापति : मेरी बात तो सुन लीजिए, मेरी बात तो सुन लीजिए। तो मेरे ख्याल में जो बातें आप बोल रहें हैं, वह अपनी बात खुद ही कहना चाहते थे जो कहने नहीं दी गई।... (**व्यवधान**)

श्री एस0 एस0 अहलुवालिया : कह लें।

श्री सभापति : देखिए, मेरी बात सुन लें। वह कह देंगे, वह कहना चाहतें हैं, लेकिन आप में से कोई उठेगा नहीं, आप में से कोई बोलेगा नहीं ... (**व्यवधान**)

श्री एस0 एस0 अहलुवालिया : सर, यहां की परंपरा रही हैं...

श्री सभापति : बस-बस, हो गया।

†[]Transliteration in Arabic Script

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सभापति जी, मैं ने प्रारंभ में यह स्पष्ट किया था कि वहां किसी को भेजने में किसी तरह की राजनीति शामिल नहीं थी। रात को समाचार मिले, केवल अखबारों से आज की बात नहीं हैं, कल रात को यह समाचार प्राप्त हो गए थे कि वह सारा क्षेत्र तूफान से ग्रस्त हैं, बड़े पैमाने पर मौतें हुई हैं। सबेरे तो अखबारों से उस को जरा विशद रूप से उद्दत कर के पेश किया। तो मेरे मित्र प्रणव मुखर्जी यह धारणा न बनाएं कि इस से पहले सूचना नहीं मिली थी। विभिन्न सूत्रों से इस तरह से सूचना मिली थी।

श्री एस0 एस0 अहलुवालिया : नही, आप ने खुद कहा सर...

श्री सभापति : फिर आप बोल रहे हैं, आप बीच में मत बोलिए। ... (**व्यवधान**) ... यह पंचायत नहीं, यह राज्य सभा हैं।... (**व्यवधान**) ...आप ने कहा था बीच में कोई नहीं बोलेगा। ... (**व्यवधान**)...

श्री एस0 एस0 अहलुवालिया : आप रिकांर्ड मंगा लीजिए क्या कहा उनहोंने। देख लीजिए, क्या कहा उन्होंने ।

श्री सभापति : कुछ कहा हो, मेरी बात सुनिए।

एक आदमी बोले फिर दूसरा आदमी बोले फिर दूसरा आदमी बोले। यह सभा है और सभ्यता की सभा हैं। अगर सभ्यता नहीं हैं तो सभा नहीं रहेगी। यहां क्रास क्युक्षनिंग नहीं हो रही हैं। यह बात पूरी कर लें तो आप बात कहिए, बीच में बोलने से न आप का काम पूरा होगा, न उन का काम पूरा होगा, न सभा का काम पूरा होगा और हम दुनियाभर में बदनाम होंगे कि हमें बात करनी नहीं आती।... (**व्यवधान**)... बीच में कोई नहीं बोलेगा। जब आप बोलेंगे तो भी कोई नहीं बोलेगा। जब आप बोलेंगे तो भी कोई नहीं बोलेगा। ... (**व्यवधान**) ... बाद में कहिएगा।

श्री एस0 एस0 अहलुवालिया : बाद में आप यह ऑडर्र देंगे।

श्री सभापति : दँगा, अगर आप बार-बार खड़े होंगे।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सभापति जी, जैसे कि मैंन ने शुरू में कहा था, जैसे कि मैंने शुरू में कहा था, जैसे ही समाचार मिला तो उस पर तत्काल कुछ कार्यवाही होनी चाहिए। प्रणव बाबू का यह कहना ठीक हैं कि पहले कोई टीम जाती हैं तो रिपोर्ट लाती है और फिर उस के बाद कौन से कदम उठाने हैं यह विचार होता हैं। तो सचमुच में जल्दबाजी का एक कारण यह है, जिसे आप जल्दबाजी कह सकते हैं और जिस की वजह से सब संपर्क नहीं हो सका क्योंकि हम जल्दी-अब कृषि मंत्री जी जाने की तैयारी कर रहे थे और मुझ से विचार-विनिमय करने के लिए आए, उसी समय बालासोर के लोक सभा सदस्य आ गए। वह भी इस विपदा से पूरी तरह परिचित थे और वह चाहते थे कि सरकार उस संबंध में कुछ कदम उठाए। कुमारी ममता बनर्जी भी आई, मैंने उन्हें फोन कर के नहीं बुलाया। मैं नें अगर किसी को फोन किया तो श्री इंद्रजीत गुप्त को फोन किया। इस में मेरी गलती हो सकती हैं। मैं समझता था कि मिदनापुर के क्षेत्र का वही प्रतिनिधित्व करते हैं। अब मुझे पता लगा कि पांच और लोक सभा के सदस्य हैं जो उस क्षेत्र के साथ जुड़े हुए हैं। तो मैं स्वीकार करता हूं। अगर मुझे पहले मालूम होता तो मैं उन से भी संपर्क स्थापित कर लेता और उन के भी जाने का प्रबंध कर देता। अब अगर आगे वह जाना चाहते हैं तो मैं प्रबंध करने के लिए तैयार हूं। सर्व-दलीय प्रतिनिधि मंडल भेंजा जा सकता हैं।

सभापति जी, यह प्राकृतिक विपत्ति का मामला हैं। ऐसा घटिया राजनीति न मैं ने जिंदगी में कमी की हैं ओर न आगे कभी करूँगा, मैं यह विश्वास दिलाना चाहता हूं।

MR. CHAIRMAN: Now, this point is over. Now, Papers to be laid on the Table. ...*(Interruptions)*... Nothing more on this.

SYED SIBTEY RAZI (Uttar Pradesh): It is our right to seek information from the Prime Minister. I think you will protect us.

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI (Rajasthan): This is not a statement.

SYED SIBTEY RAZI: I am not going to say anything. I just wanted to ...*(Interruptions)*... from the Prime Minister.

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI: Mr. Chairman, Sir, this is not a statement on which clarifications can be sought.

सैयद सिब्ते रजी: मान्यवर, अगर आप तशरीफ रखें तो एक बात कह दूं। मैं माननीय प्रधान मंत्री जी का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा कि उन्होंने इस मामले को बहुत ही संजीदगी से लिया। मान्यवर, मैं यह नहीं जानना चाहता कि आप ने कैसे किया केवल आप इतना बताइए ... (**वयवधान**) ...

†سید سبط ی‌رض: مانیور۔ اگر آپ
تشریف رکھی‌ں تو ایک بات کہہ دوں۔
میں مانیئے پردھان منتری جی کا
شکریہ ادا کرنا چاہونگا کہ انہوں نے اس
معاملے کو بہت ہی سنجیدگی سے کی۔ا
مانیور، میں یہ جاننا چاہتا کہ آپ
نے کی‌سے کیا ولی‌ک آپ اتنا
بتائے..."مداخلت"...

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : मान्यवर, इस तरह तो जो भी चाहेगा खड़ा हो जाएगा और जो भी चाहेगा बोलेगा ... (**व्यवधान**) ...

SYED SIBTEY RAZI: Sir, as you protected the Treasury Benches, You also protect: us.

श्री सभापति : एक मिनट। सिब्ते रज़ी जी, मैं आपसे बात कर रहा हूं। देखिए प्रधानमंत्री जी ने यह कहा हैं कि वहां के पांच सदस्य जो हैं, ... (**व्यवधान**) ... आप बैठ जाइए, जब मैं खड़ा हूं तो आप बैठ जाया कीजिए। ... (**व्यवधान**) ... अब मैं खड़ा हूं तो आप बैठ जाइए। उन्होंने कहा कि उस इलाके के पांच एम0पीज़0 जो हैं, जब वे जाना चाहें, और भी कोई जाना चाहें तो ऐसा सब कुछ करने को तैयार हैं। आपको इसके अलावा और कुछ पूछना है क्या?

सैयद सिब्ते रज़ी : जी हां। मैं प्रधानमंत्री जी की जो परेशानी हैं, उससे अपने को संबद्ध करना चाहता हूं। लेकिन, आज यह हाऊस लगने वाला था, जबरदस्त हानि हुई हैं, अखबारों के लिहाज से 150 मारे गए हैं, बहुत क्षति हुई हैं, लोग वहां निश्चित रूप से त्राहि-त्राहि कर रहे हैं, तो क्या प्रधानमंत्री जी ने इमीडिएट रिलीफ के लिए अपने प्रधानमंत्री कोष से कोई धन देने की व्यवस्था की हैं? क्या माननीय प्रधानमंत्री जी का राब्ता वहां के मुख्यमंत्री जी से बना हुआ हैं? हम चाहते हैं कि इस मामले में केन्द्र सरकार और राज्य सरकार कर समन्वय बना रहना चाहिए। आपदा बढ़ भी सकती हैं।

माननीय सभापति जी, हमारी चिंता यह नहीं हैं कि आपने हमको भेजा या नहीं भेजा बल्कि इससे ज्यादा चिंता हमारी यह हैं कि आप इस मामले पर इमीडिएट, फौरी कदम क्या उठा रहें हैं, क्योंकि यह हाऊस यहां पर लगा हुआ हैं, हम समझते हैं कि आप हमारा अधिकार हैं कि हम माननीय प्रधानमंत्री जी से जान सकें कि आपने तुरन्त क्या वहां पर रिलीफ की कार्यवाही की हैं

†[]Transliteration in Arabic Script

†سید سبط ی‌رض: جی ہاں میں جو
پردھان منتری جی کی جو پری‌شانی ہے
اس سے اپنے کو سمبد کرنا چاہتا ہوں۔
لی‌کن آج یہ ہاؤس لگنے والا
تھا۔زبردست ہانی ہوئی ہے اخباروں
کے لحاظ سے ۱۵۰ لوگ مارے گئے
ہی‌ں۔ بہت شتی ہوئی ہے لوگ وہاں
نشچت روپ سے تراہی تراہی کر
رہے‌ہیں تو کیا پردھان منتری جی نے
امی‌ڈیٹ ریلیف کے لئے اپنے پردھان
منتری فنڈ سے کوئی دھن دی‌نے کی
ویوستھا کی ہے کیا مانئے پردھان
منتری جی کا رابطہ وہاں کے مکھیا
منتری جی سے بنا ہوا ہے ہم چاہتے
ہیں کہ اس معاملے میں کیندر سرکار
اور راجیہ سرکار کا سمنوے بنا رہنا
چاہئے۔ آپدا بڑھ بھی سکتی ہے۔

مانئے سبھا پتی جی۔ ہماری
چنتا یہ نہیں ہے کہ آپنے ہم کو
بھیجا یا نہیں بھیجا بلکہ اس سے
زیادہ چنتا ہماری یہ ہے کہ آپ اس
معاملے پر امیجیئٹ فوری قدم کی‌ا
اٹھا رہے ہی‌ں۔ کی‌ونکہ یہ ہاؤس یہاں
پر لگا ہوا ہے ہم سمجھتے ہی‌ں کہ
ہمارا ادھی‌کار ہے کہ ہم مانئے پردھان
منتری جی سے جان سکی‌ں کہ آپ

ی‌ک فی‌ل‌ی‌ر پر وہاں ای‌ک تورنت نے

کارروا ئ‌ی ی‌ک ہے۔

श्री अटल बिहार वाजपेयी : सभापति जी, तत्काल राहत के लिए प्रधान मंत्री कोष से एक करोड। रूपए की घोषणा कर दी गई हैं। इसके साथ ही केन्द्रीय सरकार एडवान्स रिलीज कर रही हैं 10.20 करोड़ उड़ीसा के लिए और 10.60 करोड़ पश्चिम बंगाल सरकार के लिए। हमारा सेंटर का जो केलोमिटि रिलीफ फण्ड हैं, उसमें से यह एडवान्स दिया जा रहा हैं। जैसे ही राज्य सरकार से रिपोर्ट आएगी और हमारी जो टीम गई हैं वह अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी कि कितनी क्षति हुई हैं, विपत्ति का आकार कितना हैं, तो उसके अनुसार केन्द्र सरकार और भी कदम उठाएगी, पूरी तरह से सहायता देने के लिए तैयार होगी।

MR. CHAIRMAN: Papers to be laid on the Table.

PAPERS LAID ON THE TABLE

Copies of Ordinances

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI R.K. KUMAR): Sir, I lay on the Table, under sub-clause (a) of clause (2) of article 123 of the Constitution, a copy each (in English and Hindi) of the following Ordinances:—

(1) The Representation of the People (Amendment) Ordinance, 1997 (No. 23 of 1997), promulgated by the President on the 23rd December, 1997. [Placed in Library. *See* No. LT-3/98]

(2) The Finance (Second Amendment) Ordinance, 1997 (No. 24 of 1997), promulgated by the President on the 24th December, 1997. [Placed in Library. *See* No. LT-4/98]

(3) The Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions (Amendment) Second Ordinance, 1997 (No. 25 of 1997), promulgated by the President on the 25th December, 1997. [Placed in Library. *See* No. LT-5/98]

(4) The Payment of Gratuity (Amendment) Second Ordinance, 1997 (No. 26 of 1997), promulgated by the President on the 25th December, 1997. [Placed in Library. *See* No. LT-6/98T

(5) The Merchant Shipping (Amendment) Second Ordinance, 1997 (No. 27 of 1997), promulgated by the President on the 25th December, 1997. [Placed in Library. *See* No. LT-7/98]

(6) The Income-Tax (Amendment) Second Ordinance, 1997 (No. 28 of 1997), promulgated by the President on the 26th December, 1997. [Placed in Library. *See* No. LT-8/98]

(7) The Prasar Bharati (Broadcasting Corporation of India) Amendment Second Ordinance, 1997 (No. 29 of 1997), promulgated by the President on the 26th December, 1997. [Placed in Library. *See* No. LT-9/98]

(8) The Contingency Fund of India (Amendment) Ordinance, 1997 ' (No. 30 of 1997), promulgated by the President on the 26th December, 1997. [Placed in Library. *See* No. LT-10/98].

(9) The Lotteries (Regulation) Sec ond Ordinance, 1997 (No. 31 of 1997), promulgated by the Presi dent on the 30th December, 1997. [Placed in Library. *See* No. LT-11/98]

(10) The Essential Commodities (Special Provisions) Second Ordinance, 1998 (No. 1 of 1998), promulgated by the President on the 2nd January, 1998. [Placed is Library. *See* No. LT- 12/98]

(11) The National Institute of Pharmaceutical Education and Research Ordinance, 1998 (No. 2 of